मानसिक मन्दन अथवा दुर्बलता
MENTAL RETARDATION

B.A - II - (H)
PAPER - III

पिछले वर्ग में हमने मानसिक दुर्बलता या मन्दन के कुछ कारणों को समझे, अब आगे :—

3. संक्रामक रोग (Infectious Disease) :— संक्रामक रोग भी मानसिक दुर्बलता का एक कारण है। गर्भावस्था में यदि माँ को संक्रामक रोग लग जाता है तो बच्चों की वृद्धि में क्षति पहुँचने की संभावना रहती है और बच्चे मानसिक दुर्बलता के शिकार हो जाते हैं। इन रोगों में टाइफायड, चेचक मुख्य हैं।

4. सिफलिस और मद्यपानता (Syphilis & Alcoholism) कभी-कभी बच्चे इन बिमारियों के कारण भी मानसिक दुर्बल हो जाते हैं। जिन बच्चों के माता-पिता को सिफलिस का रोग होता है वह मन्द बुद्धि बच्चे हो जाते हैं। इसी प्रकार मद्यपान करने वाले माता-पिता की संतान भी कम बुद्धि वाली होती है। लेकिन इसका कोई वास्तविक प्रमाण नहीं है तथा वैज्ञानिक आधार भी नहीं है।

5. अन्तःस्रावी उपद्रव (Endocrine Disturbance) इसके कारण भी कुछ विशेष प्रकार की मानसिक दुर्बलता होती है। जब गले की ग्रंथियाँ सामान्य रूप से काम नहीं करती हैं तो थायरॉक्सिन की मात्रा कम हो जाती है। ये सभी भोजन में आयोडीन की कमी के कारण होती हैं। आयोडीन की कमी होने से बच्चे एक प्रकार के

मानसिक दुर्बलता से पीड़ित हो जाते हैं। इसी प्रकार बेण्डा (Benda) ने अध्ययन किया और पाया कि पीयूष ग्रन्थि के असामान्य रूप से कार्य करने के कारण बच्चे एक दूसरे प्रकार की मानसिक दुर्बलता का शिकार हो जाते हैं जिसे मंगोलोजिज्म कहा जाता है।

(2) सामाजिक कारण (Socilogical Causes) :-
मानसिक मन्दता या दुर्बलता के निम्न सामाजिक कारण हैं :-

(1) पारिवारिक पृष्ठभूमि (Family Background) :-
पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा मानसिक दुर्बलता में बहुत गहरा सम्बन्ध है। हेडगोल्ड का मानना है कि जब बच्चे को उचित पारिवारिक वातावरण नहीं मिलता तो बच्चे मानसिक दुर्बलता से पीड़ित हो जाते हैं। इसी प्रकार अच्छी शिक्षा के अभाव में भी बच्चे मानसिक दुर्बलता से ग्रसित हो जाते हैं। लेविस (Lewis) ने दो विपरीत पारिवारिक पृष्ठभूमि में पलने वाले बच्चों पर अध्ययन किया। उनसे प्राप्त आँकड़े इस प्रकार हैं।

	मूर्ख	मूढ़	जड़
श्रेष्ठ परिवार –	11%	30%	33%
न्यून परिवार –	60%	35%	27%

2. निम्न सामाजिक - आर्थिक स्थिति :—
निम्न सामाजिक - आर्थिक स्थिति वाले बच्चों को उचित वातावरण नहीं मिल पाता है उन्हें उचित शिक्षा नहीं मिल पाती है। उनकी योग्यता दबी रह जाती है। इस कारण उनमें हीन भावना आ जाती है और वह मानसिक दुर्बलता का शिकार बन जाते हैं।

3. सांस्कृतिक वंचन :— जो बच्चे सांस्कृतिक वंचन के शिकार होते हैं उन्हें अनुकूल व उत्तेजक वातावरण नहीं मिल पाता है फलस्वरूप उनकी बौद्धिक योग्यता दबी रह जाती है और वे मानसिक दुर्बलता के शिकार हो जाते हैं।

Next day

Hrishi Kesh Lal.
Deptt - Psychology.
B.M.C. Rahika.